

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त परियोजनाओं के तकनीकी परीक्षण हेतु राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की 565वीं बैठक दिनांक 16/04/2022 को डॉ. पी.सी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें समिति के निम्नलिखित सदस्य स्वयं/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहें :-

1. श्री राघवेंद्र श्रीवास्तव, सदस्य ।
2. प्रो. (डॉ.) रुबीना चौधरी, सदस्य ।
3. डॉ. ए.के. शर्मा, सदस्य ।
4. प्रो. अनिल प्रकाश, सदस्य ।
5. प्रो. (डॉ.) आलोक मित्तल, सदस्य ।
6. डॉ. जय प्रकाश शुक्ला, सदस्य ।
7. डॉ. रवि बिहारी श्रीवास्तव, सदस्य ।
8. श्री ए.ए. मिश्रा, सदस्य सचिव ।

सभी सदस्यों द्वारा अध्यक्ष महोदय के स्वागत के साथ बैठक प्रारंभ करते हुए बैठक के निर्धारित एजेण्डा अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रोजेक्ट्सों का तकनीकी परीक्षण निम्नानुसार किया गया :-

- 1. Case No 7229/2020 Shri Sunny Goyal S/o Shri Motilal Goyal, R/o Hariyana Bhawan, Panna Naka, Dist. Satna, MP - 485446, Prior Environment Clearance for approval of Stone Mining in an area of 2.283 ha. (15000 cum/year) (Khasra No. 1032/2, 1035/3, 3/1/KA, 3/1/Kha/3/1/GA, 3/1/GHA, 3/2, 3/3) at Village- Gangwariya & Sukulgawan, Tehsil- Nagod, District- Satna (MP) Env. Consultant Globus Environment Engineering Service, Lucknow (U.P.)**

This is case of Stone Mining. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site at (Khasra No. 1032/2, 1035/3, 3/1/KA, 3/1/Kha/3/1/GA, 3/1/GHA, 3/2, 3/3) at Village- Gangwariya & Sukulgawan, Tehsil- Nagod, District- Satna (MP) 2.283 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

PP has submitted a copy of approved Mining Plan, DSR report, information in the lease's within 500 meters radius around the site and other requisite information in the prescribed format duly verified in the Collector Office letter no. 901 dated 29/5/2020 has reported that there are 03 more mines operating or proposed within 500 meters around the said mine with total area of 08.535 ha., including this mine.

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

Earlier this case was scheduled for presentation and discussion in 443<sup>rd</sup> SEAC dated 02/07/2020 wherein ToR was recommended. PP has submitted the EIA report forwarded through SEIAA on-line and the same was scheduled in the agenda.

In this meeting the EIA was presented by Env. Consultant Shri Anand Gupta from M/s. Globus Environment Engineering Service, Lucknow (U.P.) on behalf of PP. During presentation committee observed that in the online Form-II and other submissions in the EIA report have not correctly matched with the mentioned points/information. Committee takes this matter seriously and informed Env. Consultant to carefully upload EIA and avoid any such error in document uploading in future and asked Env. Consultant to submit entire copy of fresh EIA report which should properly match with mentioned serial numbers and contents. Then after the case shall be further considered. Following are the points where information found mismatched in the online submitted EIA report.

### **EIA Shortcomings**

The EIA report is illegible and TOR replies given in the EIA report are ambiguous and misleading. The consultant should be asked to submit a clearer revised copy incorporating all following changes/modifications:

#### **Reply to Point Wise Compliance of TOR Reply (Page 1/6 to 1/7)**

1. S.No. II Annexure is not available
2. S.No. V Annexure-5 is not available
3. S.No. VI Annexure- IV & I are not available
4. S.No. VII Annexure- VIII is not available
5. S.No. VIII Annexure- III is not available
6. S.No. X Annexure- III is not available

#### **Reply to Other Points to be Addressed (Page 1/7 to 1/8)**

- In all the replies given in 15 rows, instead of writing only Chapter number, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned.
- Each row should be numbered
- Annexures given under the heading are not available

#### **Reply to General Conditions (Page 1/8 to 1/10)**

1. S.No. 1, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
2. S.No. 2, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
3. S.No. 3, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

4. S.No. 4, Specific Para or Section Number, Annexure number and page numbers should be mentioned
5. S.No. 12, Specific Para or Section Number and page numbers should be mentioned
6. S.No. 14, Specific Para or Section Number and page numbers should be mentioned
7. S.No. 24, Specific Para or Section Number and page number should be mentioned

### **Reply to Additional TOR (Page 1/10 to 1/11)**

1. S.No. 1, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
2. S.No. 2, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
3. S.No. 3, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned.

In the revised EIA report all the chapters, sections, tables and figure numbers should be thoroughly checked & revised copy of the EIA should be submitted to all members either through SEAC or by post. The copy must reach at least 10 days prior to the meeting scheduled for this case.

प्रकरण में परियोजना प्रस्तावक द्वारा वांछित जानकारी उपलब्ध नहीं कराये जाने के कारण सेक की 556वीं बैठक दिनांक 02/03/22 को डिलिस्ट कर सिया को प्रेषित किया गया, जिसे सिया की 712वीं बैठक दिनांक 10/03/2022 में विस्तृत चर्चा व परामर्श उपरांत सर्व सम्मति से SEAC की 556वीं बैठक दिनांक 02/03/2022 की अनुशंसा को मान्य करते हुए प्रकरण को Delist किये जाने का निर्णय लिया गया ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ई-मेल से दिनांक 21/3/22 के माध्यम से प्रकरण को रिलिस्ट किये जाने का अनुरोध को मान्य करते हुए सिया की 715वीं बैठक दिनांक 25/3/22 के द्वारा प्रकरण को रिलिस्ट कर सेक को पुनः परीक्षण हेतु प्रेषित किया गया । परियोजना प्रस्तावक द्वारा सेक की 545 वीं बैठक दिनांक 29/01/2022 में हुई चर्चानुसार ई.आई.ए.रिपोर्ट संशोधन कर ऑन लाईन प्रस्तुत कर दी गई है ।

इस बैठक में संशोधित ई.आई.ए. रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण परियोजना प्रस्तावक (ऑनलाईन) तथा उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री आनंद गुप्ता द्वारा किया गया । प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि लीज क्षेत्र में एक पेड़ है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इसे काटा नहीं जायेगा तथा वहाँ साइट आफिस व अन्य सुविधाये विकसित की जायेगी । खदान क्षेत्र के पूर्वी भाग में 170 मीटर की दूरी पर एक शेड है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह एक निर्माणाधीन गौशाला (गौशाला के पशुओं एवं स्थानीय पशुओं हेतु) है तथा इसकी सुरक्षा हेतु कंट्रोल ब्लास्टिंग तथा श्री रो प्लांटेशन प्रस्तावित किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि निर्माणाधीन गौशाला से 200 मीटर की दूरी हेतु 30 मीटर का सेट-बैक भी प्रस्तावित किया गया है जिसमें गौशाला के पशुओं हेतु चारागाह विकसित की जावेगी । परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान गौशाला तक पहुँच मार्ग तथा गौशाला में प्रदूषण नियंत्रण किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा सी.ई.आर. में शामिल किया गया है। समिति ने परियोजना प्रस्तावक को यह सलाह दी कि प्रस्तावित ई.एम.पी. में परिवहन मार्ग पर जल छिड़काव के फेरो की संख्या बढ़ा दी जाये ताकि इस खदान से धूल की समस्या न हो। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ निर्माणाधीन गौशाला से 200 मीटर की दूरी हेतु 30 मीटर का प्रस्तावित सेट-बैक तथा पुनरीक्षित सरफेस मेप।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण एवं सी.ई.आर. योजना।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 16/04/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई, जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन -15,000 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 32.15 लाख एवं रिकरिंग 01.72 लाख प्रति वर्ष।
3. वृक्षारोपण एवं उसका रखरखाव वन विभाग के माध्यम से वन समिति द्वारा कराया जाये तथा प्रथम वर्ष में पूर्ण किया जाये।
4. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 2.80 लाख :-

क्र.सं.	गतिविधियां	प्रदेय	आवर्ती व्यय रु.
<b>1.</b>	<b>बुनियादी ढांचे का विकास</b>		
a.	ग्राम गंगवारिया में विद्यालय की मरम्मत/नवीनीकरण।	1 विद्यालय	50,000.00
b.	प्रस्तावक आंगनबाड़ी केन्द्र गंगवारिया को बच्चों के कल्याण कार्यक्रम "पोषणआहार" के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करेगा।		50,000.00
c.	गौशाला को जोड़ने वाली सड़कों का विकास		50,000.00
<b>2.</b>	<b>स्वास्थ्य</b>		
a.	ग्राम गंगवारिया में कोविड महामारी में आवश्यक एहतियात के लिए ग्रामीणों को सैनिटाइजेशन किट (हैंड सैनिटाइजर, हैंड ग्लव्स एवं मास्क) का वितरण एवं प्रशिक्षण। (100 व्यक्ति; @ 400/सेट)		40,000.00
b.	पास की गौशाला में गायों के लिए स्वास्थ्य और स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन		50,000.00

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक  
दिनांक 16 अप्रैल 2022**

c.	ग्राम गंगवारिया में विद्यालय में शौचालय का निर्माण		30,000.00
d.	स्वास्थ्य जांच शिविर वर्ष में 02 बार		10,000.00
<b>कुल</b>			<b>Rs. 2,80,000.00</b>

5. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2740 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

प्रस्तावित वृक्षा रोपण हेतु स्थान	पौधोंकी प्रजातियां	संख्या
बैरियर जोन तथा नॉन माईनिंग जोन	सिरिस, बरगदा, लसोड़ा, सहतूत, अंजन, शीशम, तिनसा, कचनार, नीम, कुसुम, बारेंगा, गधापलाश, कुम्भी तथा अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	1200
	जंगलजलेबी, चिरोल, खमेर, करंज, नीम, हरश्रृंगार के साथ सिस्वेनिया एवं सू-बबूल की सीड सोइंग ।	360
परिवहन मार्ग (पड़ो की न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	सिरिस, बरगदा, लसोड़ा, सहतूत, अंजन, शीशम, तिनसा, कचनार, नीम, कुसुम, बारेंगा, गधापलाश, कुम्भी तथा अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	700
	जंगलजलेबी, चिरोल, खमेर, करंज, नीम, हरश्रृंगार	300
गौशाला क्षेत्र के पास वृक्षारोपण	अशोक, नीम, कुसुम, सिशम, सीताफल, कदम कचनार, पाकड़	540
<b>कुल</b>		<b>2740</b>

2. **Case No 7231/2020 Shri Sunny Goyal S/o Shri Motilal Goyal, R/o Hariyana Bhawan, Panna Naka, Dist. Satna, MP – 485446 Prior Environment Clearance for approval of Stone Mining in an area of 2.974 ha. (20000 cum/year) (Khasra No. 10/1, 10/2, 12/1, 12/2/1, 12/3, 12/4) at Village- Baraj, Tehsil- Nagod, District- Satna (MP) Env. Consultant Globus Environment Engineering Service, Lucknow (U.P.)**

This is case of Stone Mining. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site at (Khasra No. 10/1, 10/2, 12/1, 12/2/1, 12/3, 12/4) at Village- Baraj, Tehsil- Nagod, District- Satna (MP) 2.974 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

PP has submitted a copy of approved Mining Plan, DSR report, information in the lease's within 500 meters radius around the site and other requisite information in the

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 16 अप्रैल 2022**

prescribed format duly verified in the Collector Office letter no. 898 dated 29/5/2020 has reported that there are 03 more mines operating or proposed within 500 meters around the said mine with total area of 08.535 ha., including this mine.

Earlier this case was scheduled for presentation and discussion in 443<sup>rd</sup> SEAC dated 02/07/2020 wherein ToR was recommended. PP has submitted the EIA report forwarded through SEIAA on-line and the same was scheduled in the agenda.

In this meeting the EIA was presented by Env. Consultant Shri Anand Gupta from M/s. Globus Environment Engineering Service, Lucknow (U.P.) on behalf of PP. During presentation committee observed that in the online Form-II and other submissions in the EIA report have not correctly matched with the mentioned points/information. Committee takes this matter seriously and informed Env. Consultant to carefully upload EIA and avoid any such error in document uploading in future and asked Env. Consultant to submit entire copy of fresh EIA report which should properly match with mentioned serial numbers and contents. Then after the case shall be further considered. Following are the points where information found mismatched in the online submitted EIA report.

**EIA Shortcomings**

The EIA report is illegible and TOR replies given in the EIA report are ambiguous and misleading. The consultant should be asked to submit a clearer revised copy incorporating all following changes/modifications:

**Reply to Point Wise Compliance of TOR Reply (Page 1/6 to 1/7)**

1. S.No. II Annexure is not available
2. S.No. V Annexure-5 is not available
3. S.No. VI Annexure is not available
4. S.No. VII Annexure is not available
5. S.No. VIII Annexure is not available
6. S.No. X Annexure is not available

**Reply to Other Points to be Addressed (Page 1/7 to 1/8)**

- In all the replies given in 15 rows, instead of writing only Chapter number, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned.
- Each row should be numbered
- Annexures given under the heading are not available

**Reply to General Conditions (Page 1/8 to 1/10)**

1. S.No. 1, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

2. S.No. 2, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
3. S.No. 3, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
4. S.No. 4, Specific Para or Section Number, Annexure number and page numbers should be mentioned
5. S.No. 12, Specific Para or Section Number and page numbers should be mentioned
6. S.No. 14, Specific Para or Section Number and page numbers should be mentioned
7. S.No. 24, Specific Para or Section Number and page number should be mentioned

### **Reply to Additional TOR (Page 1/10 to 1/11)**

1. S.No. 1, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
2. S.No. 2, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
3. S.No. 3, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned.

In the revised EIA report all the chapters, sections, tables and figure numbers should be thoroughly checked & revised copy of the EIA should be submitted to all members either through SEAC or by post. The copy must reach at least 10 days prior to the meeting scheduled for this case.

प्रकरण में परियोजना प्रस्तावक द्वारा वांछित जानकारी उपलब्ध नहीं कराये जाने के कारण सेक की 556वीं बैठक दिनांक 02/03/22 को डिलिस्ट कर सिया को प्रेषित किया गया, जिसे सिया की 712वीं बैठक दिनांक 10/03/2022 में विस्तृत चर्चा व परामर्श उपरांत सर्व सम्मति से SEAC की 556वीं बैठक दिनांक 02/03/2022 की अनुशंसा को मान्य करते हुए प्रकरण को Delist किये जाने का निर्णय लिया गया ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ई-मेल से दिनांक 21/3/22 के माध्यम से प्रकरण को रिलिस्ट किये जाने का अनुरोध को मान्य करते हुए सिया की 715वीं बैठक दिनांक 25/3/22 के द्वारा प्रकरण को रिलिस्ट कर सेक को पुनः परीक्षण हेतु प्रेषित किया गया । परियोजना प्रस्तावक द्वारा सेक की 545 वीं बैठक दिनांक 29/01/2022 में हुई चर्चानुसार ई.आई.ए.रिपोर्ट संशोधन कर ऑन लाईन प्रस्तुत कर दी गई है ।

इस बैठक में संशोधित ई.आई.ए. रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण परियोजना प्रस्तावक (ऑनलाईन) तथा उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री आनंद गुप्ता द्वारा किया गया । प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि लीज क्षेत्र दक्षिण भाग में 70 मीटर पर निर्माणाधीन गौशाला (गौशाला के पशुओं एवं स्थानीय पशुओं हेतु) है अतः यदि माननीय हरित अधिकरण के प्रकरण क्रमांक 304/2019 में पारित आदेश

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

दिनांक 21/07/20 में पारित आदेश अनुसार यदि 200 मीटर का सेट-बैक (रेसिडेंशियल/पब्लिक बिल्डिंग/इन हेबिटेड साइट) से छोड़ा जाता है तो खनन् योग्य क्षेत्र उपलब्ध नहीं होगा। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस क्षेत्र में हम ब्लास्टिंग का उपयोग नहीं करेंगे तथा रॉक ब्रेकर का उपयोग कर माईनिंग करेंगे तथा गौशाला से 30 मीटर का सेड वेक भी छोड़ेंगे जिसमें चारागाह का विकास किया जायेगा। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान सड़क, धूल की समस्या, मजदूरों में बीमारी इत्यादि समस्या प्राप्त हुई थी जिनको ई.एम.पी. में एड्रेस किया गया है। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ निर्माणाधीन गौशाला से 100 मीटर की दूरी हेतु 30 मीटर का प्रस्तावित सेट-बैक तथा पुनरीक्षित सरफेस मेप।
- ✓ परियोजना प्रस्तावक का वचन पत्र कि खनन् कार्य में ब्लास्टिंग के स्थान पर रॉक ब्रेकर का उपयोग किया जायेगा।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण एवं सी.ई.आर. योजना।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 16/04/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई, जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता स्टोन –20,000 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 31.11 लाख एवं रिकरिंग 01.72 लाख प्रति वर्ष।
3. खनन् कार्य में ब्लास्टिंग के स्थान पर रॉक ब्रेकर का उपयोग किया जाये।
4. वृक्षारोपण एवं उसका रखरखाव वन विभाग के माध्यम से वन समिति द्वारा कराया जाये तथा प्रथम वर्ष में पूर्ण किया जाये।
5. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 02.80 लाख :-

क्र.सं	गतिविधियां	प्रदेय	कुल लागत
1.	<b>बुनियादी ढांचे का विकास</b>		
a.	ग्राम गंगवारिया में विद्यालय की मरम्मत / नवीनीकरण।	1 विद्यालय	50,000.00
b.	प्रस्तावक आंगनबाड़ी केन्द्र गंगवारिया को बच्चों के कल्याण कार्यक्रम "पोषणआहार" के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करेगा।		50,000.00
c.	गांव में सोलर लाइट की स्थापना	2 सोलरलाइट	50,000.00
d.	गौशाला को जोड़ने वाली सड़कों का विकास		50,000.00
2.	<b>स्वास्थ्य</b>		



**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक  
दिनांक 16 अप्रैल 2022**

a.	ग्राम गंगवारिया में कोविडमहामारी में आवश्यक एहतियात के लिए ग्रामीणों को सैनिटाइजेशन किट (हैंडसैनिटाइजर, हैंडग्लव्स एवं मास्क) का वितरण एवं प्रशिक्षण। (100 व्यक्ति; @ 400/सेट)		40,000.00
c.	ग्राम गंगवारिया में विद्यालय में शौचालय का निर्माण।		30,000.00
d.	स्वास्थ्य जांच शिविर	2 बार वर्ष में	10,000.00
<b>कुल</b>			<b>2,80,000.00</b>

6. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2940 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

प्रस्तावित वृक्षा रोपण हेतु स्थान	पौधों की प्रजातियां	संख्या
बैरियर जोन तथा नॉन माईनिंग जोन	सिरिस, बरगदा, लसोड़ा, सहतूत, अंजन, शीशम, तिनसा, कचनार, नीम, कुसुम, बारगा, गधापलाश, कुम्भी तथा अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	1200
	जंगलजलेबी, चिरोल, खमेर, करंज, नीम, हरश्रृंगार के साथ सिस्वेनिया एवं सू-बबूल की सीड सोइंग ।	560
परिवहन मार्ग (पड़ो की न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	सिरिस, बरगदा, लसोड़ा, सहतूत, अंजन, शीशम, तिनसा, कचनार, नीम, कुसुम, बारगा, गधापलाश, कुम्भी तथा अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	700
	जंगलजलेबी, चिरोल, खमेर, करंज, नीम, हरश्रृंगार	300
गौशाला क्षेत्र के पास वृक्षारोपण	अशोक, नीम, कुसुम, शिशम, सीताफल, कदम कचनार, पाकड़	540
<b>कुल</b>		<b>2940</b>

3. **Case No 8491/2021 Shri Shubham Goyal, Hariyana Bhawan, Panna Naka, Dist. Satna, MP - 485446 Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.70 ha. (5000 cum per annum) (Khasra No. 267/2, 268/1Kha, 268/2, 271/1/Gya/1, 271/1/Gya/2), Village - Badhaw Ubari, Tehsil - Nagod, Dist. Satna (MP) Env. Consultant Globus Environment Engineering Service, Lucknow (U.P.)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site at (Khasra No. 267/2, 268/1Kha, 268/2, 271//Gya/1, 271/1/Gya/2), Village - Badhaw Ubari, Tehsil - Nagod, Dist. Satna (MP) 1.70 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

PP has submitted a copy of approved Mining Plan, DSR report, information in the lease's within 500 meters radius around the site and other requisite information in the prescribed format duly verified in the Collector Office letter no. 900 dated 29/5/2020 has reported that there are 02 more mines operating or proposed within 500 meters around the said mine with total area of 6.957 ha., including this mine.

Earlier this case was scheduled for presentation and discussion in 498<sup>th</sup> SEAC dated 06/04/2021 wherein ToR was recommended. PP has submitted the EIA report forwarded through SEIAA on-line and the same was scheduled in the agenda.

In this meeting the EIA was presented by Env. Consultant Shri Anand Gupta from M/s. Globus Environment Engineering Service, Lucknow (U.P.) on behalf of PP. During presentation committee observed that in the online Form-II and other submissions in the EIA report have not correctly matched with the mentioned points/information. Committee takes this matter seriously and informed Env. Consultant to carefully upload EIA and avoid any such error in document uploading in future and asked Env. Consultant to submit entire copy of fresh EIA report which should properly match with mentioned serial numbers and contents. Then after the case shall be further considered. Following are the points where information found mismatched in the online submitted EIA report.

### **EIA Shortcomings**

TOR replies given in the EIA report are ambiguous and misleading. The consultant should be asked to submit a clearer revised copy incorporating all following changes/modifications:

#### **Reply to Point Wise Compliance of TOR Reply (Page 1/5 to 1/6)**

1. S.No. II Annexure-IX is not available
2. S.No. V Annexure-VI is not available
3. S.No. VI Annexure- V is not available
4. S.No. VII Annexure- VIII is not available
5. S.No. VIII Annexure- III is not available
6. S.No. X Annexure- III is not available

#### **Reply to Other Points to be Addressed (Page 1/6 to 1/7)**

- In all the replies given in 15 rows, instead of writing only Chapter number, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned.
- Each row should be numbered
- Annexures given under the heading are not available

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

The reply is incomplete, particularly points 4 & 6, where information is to be provided in tabular form

### **Reply to General Conditions (Page 1/7 to 1/10)**

1. S.No. 1, No proof is attached.
2. S.No. 2, No proof(s) is/are attached.
3. S.No. 3, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
4. S.No. 4, Specific Para or Section Number, Annexure number and page numbers should be mentioned
5. S.No. 5, Specific Para or Section Number, Annexure number and page numbers should be mentioned
6. S.No. 12, Specific Para or Section Number and page numbers should be mentioned
7. S.No. 14, Specific Para or Section Number and page numbers should be mentioned
8. S.No. 19, Specific Para or Section Number and page numbers should be mentioned
9. S.No. 20, Specific Para or Section Number and page numbers should be mentioned
10. S.No. 24, Specific Para or Section Number and page number should be mentioned
11. S.No. 30, Specific Para or Section Number and page numbers should be mentioned
12. S.No. 32, Specific Para or Section Number and page numbers should be mentioned

### **Reply to Additional TOR (Page 1/10)**

1. S.No. a, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
2. S.No. b, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
3. S.No. f, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
4. S.No. g, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
5. S.No. h, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned

In the revised EIA report all the chapters, sections, tables and figure numbers should be thoroughly checked & revised copy of the EIA should be submitted to all members either through SEAC or by post. The copy must reach at least 10 days prior to the meeting scheduled for this case.

प्रकरण में परियोजना प्रस्तावक द्वारा वांछित जानकारी उपलब्ध नहीं कराये जाने के कारण सेक की 556वीं बैठक दिनांक 02/03/22 को डिलिस्ट कर सिया को प्रेषित किया गया, जिसे सिया की 712वीं बैठक दिनांक 10/03/2022 में विस्तृत चर्चा व परामर्श उपरांत सर्व सम्मति से SEAC की 556वीं बैठक दिनांक 02/03/2022 की अनुशंसा को मान्य करते हुए प्रकरण को Delist किये जाने का निर्णय लिया गया ।

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ई-मेल से दिनांक 21/3/22 के माध्यम से प्रकरण को रिलिस्ट किये जाने का अनुरोध को मान्य करते हुए सिया की 715वीं बैठक दिनांक 25/3/22 के द्वारा प्रकरण को रिलिस्ट कर सेक को पुनः परीक्षण हेतु प्रेषित किया गया । परियोजना प्रस्तावक द्वारा सेक की 545 वीं बैठक दिनांक 29/01/2022 में हुई चर्चानुसार ई.आई.ए.रिपोर्ट संशोधन कर ऑन लाईन प्रस्तुत कर दी गई है ।

इस बैठक में संशोधित ई.आई.ए. रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण परियोजना प्रस्तावक (ऑनलाईन) तथा उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री आनंद गुप्ता द्वारा किया गया । प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि खदान क्षेत्र के दक्षिण-पश्चिम भाग में 225 मीटर तथा पश्चिम भाग में 260 मीटर की दूरी पर आबादी है तथा निर्माणाधीन गौशाला (गौशाला के पशुओं एवं स्थानीय पशुओं हेतु) पूर्व क्षेत्र में 400 मीटर पर है । खनन क्षेत्र में कुल 03 पेड़ हैं जिनको नहीं काटा जायेगा । परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान अधिक वृक्षारोपण तथा रोजगार हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा ई.एम.पी. एवं सी.ई.आर. में शामिल किया गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक को यह निर्देशित किया कि चूंकि 03 खदानों का जो कलस्टर में है, का परिवहन मार्ग एक ही है अतः उसे गूगल मैप पर दर्शाये तथा उसका उचित रख-रखाव किया जाये । प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ 03 खदानों जो कलस्टर में है, का परिवहन मार्ग एक ही है अतः उसे गूगल मैप पर दर्शाते हुआ प्रस्तुत करे ।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित सी.ई.आर. एवं वृक्षारोपण योजना ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 16/04/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई, जो संतोषजनक पाई गई । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन –5,000 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 27.76 लाख एवं रिकरिंग 02.08 लाख प्रति वर्ष ।
3. वृक्षारोपण एवं उसका रखरखाव वन विभाग के माध्यम से वन समिति द्वारा कराया जाये तथा प्रथम वर्ष में पूर्ण किया जाये ।
4. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. .... लाख :-

क्र.सं.	गतिविधियां	प्रदेय	कुललागत
	दीर्घांचेकाविकास		

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

a.	ग्राम बधाव में विद्यालय की मरम्मत / नवीनीकरण।	1 विद्यालय	50,000.00
b.	पास की गौशाला में बोरवेल लगाकर गाय के लिए पेयजल की सुविधा		37,000.00
c.	प्रस्तावक आंगनबाड़ी केन्द्र बधाव को बच्चों के कल्याण कार्यक्रम "पोषणआहार" के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करेगा।		50,000.00
d.	गांव में सोलर लाइट की स्थापना	2सोलरलाइट	40,000.00
<b>2.</b>	<b>स्वास्थ्य</b>		
a.	ग्राम बधाव में कोविडमहामारी में आवश्यक एहतियात के लिए ग्रामीणों को सैनिटाइजेशन किट (हैंडसैनिटाइजर, हैंडग्लव्स एवं मास्क) का वितरण एवं प्रशिक्षण। (100 व्यक्ति; @ 400/सेट)		40,000.00
b.	ग्राम बधाव में विद्यालय में शौचालय का निर्माण।		30,000.00
c.	स्वास्थ्य जांच शिविर	2 बार वर्ष मे	10,000.00
<b>कुल</b>			<b>2,57,000.00</b>

5. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1700 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

प्रस्तावित वृक्षा रोपण हेतु स्थान	पौधोंकी प्रजातियां	संख्या
बैरियर जोन तथा नॉन माईनिंग जोन	सिरिस, बरगदा, लसोड़ा, सहतूत, अंजन, शीशम, तिनसा, कचनार, नीम, कुसुम, बारगा, गधापलाश, कुम्भी तथा अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	700
	जंगलजलेबी, चिरोल, खमेर, करंज, नीम, हरश्रृंगार के साथ सिस्वेनिया एवं सू-बबूल की सीड सोइंग ।	300
परिवहन मार्ग (पड़ो की न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	सिरिस, बरगदा, लसोड़ा, सहतूत, अंजन, शीशम, तिनसा, कचनार, नीम, कुसुम, बारगा, गधापलाश, कुम्भी तथा अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	280
	जंगलजलेबी, चिरोल, खमेर, करंज, नीम, हरश्रृंगार	120
गौशाला क्षेत्र के पास वृक्षारोपण	अशोक, नीम, कुसुम, सिशम, सीताफल, कदम कचनार, पाकड़	300
<b>कुल</b>		<b>1700</b>

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 16 अप्रैल 2022**

4. **Case No 7230/2020 Shri Shubham Goyal , R/o Hariyana Bhawan, Panna Naka, Dist. Satna, MP - 485446, Email - , Mobile – 7398540583 Prior Environment Clearance for approval of Stone Mining in an area of 1.578 ha. (5000 cum/year) (Khasra No. 158/1KA) at Village- Bara Pathar, Tehsil- Nagod, District- Satna (MP) Env. Consultant Globus Environment Engineering Service, Lucknow (U.P.)**

This is case of Stone Mining. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site at (Khasra No. 158/1KA) at Village- Bara Pathar, Tehsil- Nagod, District- Satna (MP) 1.578 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

PP has submitted a copy of approved Mining Plan, DSR report, information in the lease's within 500 meters radius around the site and other requisite information in the prescribed format duly verified in the Collector Office letter no. 899 dated 29/5/2020 has reported that there are 02 more mines operating or proposed within 500 meters around the said mine with total area of 06.835 ha., including this mine.

Earlier this case was scheduled for presentation and discussion in 443<sup>rd</sup> SEAC dated 02/07/2020 wherein ToR was recommended. PP has submitted the EIA report forwarded through SEIAA on-line and the same was scheduled in the agenda.

**EIA Shortcomings**

TOR replies given in the EIA report are ambiguous and misleading. The consultant should be asked to submit a clearer revised copy incorporating all following changes/modifications:

**Reply to Point Wise Compliance of TOR Reply (Page 1/6 to 1/7)**

1. S.No. II Annexure XIII is not available
2. S.No. III Specific Para or Section Number, Annexure number and page numbers should be mentioned
3. S.No. VI Annexure- IV & I are not available
4. S.No. VII Annexure- VIII is not available
5. S.No. VIII Annexure- V is not available
6. S.No. X Annexure- V is not available
7. S.No. X Annexure numbers should be provided

**Reply to Other Points to be Addressed (Page 1/7 to 1/8)**

- In all the replies given in 15 rows, instead of writing only Chapter number, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned.
- Each row should be numbered
- Annexures given under the heading are not available

**Reply to General Conditions (Page 1/8 to 1/10)**

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

1. S.No. X Annexure numbers should be provided
  2. S.No. 1, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
  3. S.No. 2, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
  4. S.No. 3, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
  5. S.No. 4, Specific Para or Section Number should be mentioned
  6. S.No. 7, Provide proof of the same or mention Annexure number
  7. S.No. 12, Specific Para or Section Number and page numbers should be mentioned
  8. S.No. 14, Specific Para or Section Number and page numbers should be mentioned
  9. S.No. 16, Annexure-IV is not available
  10. S.No. 24, Specific Para or Section Number and page number should be mentioned
- Reply to Additional TOR (Page 1/10 to 1/11)**
1. S.No. 1, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
  2. S.No. 2, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned
  3. S.No. 3, Specific Para or Section Number/Figure Number/Table Number and page number should be mentioned.

In the revised EIA report all the chapters, sections, tables and figure numbers should be thoroughly checked & revised copy of the EIA should be submitted to all members either through SEAC or by post. The copy must reach at least 10 days prior to the meeting scheduled for this case.

प्रकरण में परियोजना प्रस्तावक द्वारा वांछित जानकारी उपलब्ध नहीं कराये जाने के कारण सेक की 556वीं बैठक दिनांक 02/03/22 को डिलिस्ट कर सिया को प्रेषित किया गया, जिसे सिया की 712वीं बैठक दिनांक 10/03/2022 में विस्तृत चर्चा व परामर्श उपरांत सर्व सम्मति से SEAC की 556वीं बैठक दिनांक 02/03/2022 की अनुशंसा को मान्य करते हुए प्रकरण को Delist किये जाने का निर्णय लिया गया ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ई-मेल से दिनांक 21/3/22 के माध्यम से प्रकरण को रिलिस्ट किये जाने का अनुरोध को मान्य करते हुए सिया की 715वीं बैठक दिनांक 25/3/22 के द्वारा प्रकरण को रिलिस्ट कर सेक को पुनः परीक्षण हेतु प्रेषित किया गया ।

इस बैठक में संशोधित ई.आई.ए. रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण परियोजना प्रस्तावक (ऑनलाईन) तथा उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री आनंद गुप्ता द्वारा किया गया । प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि खदान क्षेत्र के उत्तर-पश्चिम भाग में 385 मीटर की दूरी पर एक शेड (वेयर हाऊस) है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह एक निर्माणाधीन क्रेशर का सेपअप है जिसमें उसका

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

ऑफिस बनाया जा रहा है । परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान गौशला तक पहुँच मार्ग तथा गौशाला में प्रदूषण नियंत्रण किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा सी.ई.आर. में शामिल किया गया है। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित सी.ई.आर. एवं वृक्षारोपण योजना ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 16/04/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई, जो संतोषजनक पाई गई । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन -5,000 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 22.78 लाख एवं रिकरिंग 02.03 लाख प्रति वर्ष ।
3. वृक्षारोपण एवं उसका रखरखाव वन विभाग के माध्यम से वन समिति द्वारा कराया जाये तथा प्रथम वर्ष में पूर्ण किया जाये ।
4. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.40 लाख :-

क्र.सं.	गतिविधियां	प्रदेय	कुल लागत
<b>1.</b>	<b>बुनियादी ढांचे का विकास</b>		
a.	ग्राम बारापथर में विद्यालय की मरम्मत /नवीनीकरण।	1 विद्यालय	50,000.00
b.	पास की गौशाला में बोरेल लगाकर गाय के लिए पेयजल की सुविधा		40,000.00
<b>2.</b>	<b>स्वास्थ्य</b>		
a.	ग्राम बारापथर में कोविड महामारी में आवश्यक एहतियात के लिए ग्रामीणों को सैनिटाइजेशन किट (हैंड सैनिटाइजर, हैंड ग्लव्स एवं मास्क) का वितरण एवं प्रशिक्षण। (100 व्यक्ति; @ 400/सेट)		40,000.00
c.	स्वास्थ्य जांच शिविर	2 बार वर्ष में	10,000.00
<b>कुल</b>			<b>1,40,000.00</b>



**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक  
दिनांक 16 अप्रैल 2022**

5. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1578 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

प्रस्तावित वृक्षा रोपण हेतु स्थान	पौधोंकी प्रजातियां	संख्या
बैरियर जोन तथा नॉन माईनिंग जोन	सिरिस, बरगदा, लसोड़ा, सहतूत, अंजन, शीशम, तिनसा, कचनार, नीम, कुसुम, बारेंगा, गधापलाश, कुम्भी तथा अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	778
	जंगलजलेबी, चिरोल, खमेर, करंज, नीम, हरश्रृंगार के साथ सिस्वेनिया एवं सू-बबूल की सीड सोइंग ।	300
परिवहन मार्ग (पड़ो की न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	सिरिस, बरगदा, लसोड़ा, सहतूत, अंजन, शीशम, तिनसा, कचनार, नीम, कुसुम, बारेंगा, गधापलाश, कुम्भी तथा अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	280
	जंगलजलेबी, चिरोल, खमेर, करंज, नीम, हरश्रृंगार	120
गौशाला क्षेत्र के पास वृक्षारोपण	अशोक, नीम, कुसुम, शिशम, सीताफल, कदम कचनार, पाकड़	300
<b>कुल</b>		<b>1578</b>

- 5. Case No 8659/2021 Shri Vijay S/o Shri Kishor Kumar Jaiswal, 3, Bhoj Mohalla, Dist. Indore, MP Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 4.0 ha. (Stone - 60000 cum per annum, Murrum - 3684 - cum per annum) (Khasra No. 2480, 2526, 2527, 2541, 2542, 2543, 2552, 2553, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551), Village - Kampel, Tehsil - Khudel, Dist. Indore (MP) EIA Consultant: Green Circle Vadodara (Guj.)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 2480, 2526, 2527, 2541, 2542, 2543, 2552, 2553, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551), Village - Kampel, Tehsil - Khudel, Dist. Indore (MP) 4.0 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 516वीं दिनांक 23/09/2021 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी ।

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

इस बैठक में ई.आई.ए. रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण परियोजना प्रस्तावक (ऑनलाईन) तथा उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री शिषुपाल वर्मा द्वारा किया गया। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि खदान क्षेत्र के पूर्वी भाग में 65 मीटर की दूरी पर एक कच्चा रोड़ है तथा पूर्वी भाग में ही 300 मीटर की दूरी पर नदी है तथा वॉटरफाल है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि खदान क्षेत्र के चारों ओर गारलेन ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक का प्रस्ताव दिया गया है। इस खदान की जनसुनवाई के दौरान सड़क की मरम्मत, धूल नियंत्रण हेतु स्प्रींकलर तथा पानी का छिड़काव किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा ई.एम.पी. एवं सी.ई.आर. में शामिल किया गया है। समिति ने परियोजना प्रस्तावक को यह सलाह दी कि प्रस्तावित ई.एम.पी. में परिवहन मार्ग पर जल छिड़काव के फेरो की संख्या बढ़ा दी जाये ताकि इस खदान से धूल की समस्या न हो। समिति ने प्रस्तुतीकरण के दौरान यह सुझाव दिया कि 04 खदान इस क्षेत्र में क्लस्टर में है अतः इनके लीज एरिया व परिवहन मार्ग के अलावा वाटरफाल एरिया में वृक्षारोपण वन विभाग के माध्यम से वन समिति द्वारा कराया जाये तथा खदान के पूर्वी भाग जहाँ पर नदी व झरना है वहा से परिवहन न किया जाये। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण, ई.एम.पी. एवं सी.ई.आर. योजना।
- ✓ परियोजना प्रस्तावक का शपथ पत्र कि खदान के पूर्वी भाग जहाँ पर नदी व झरना है वहा से परिवहन न किया जाये।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 16/04/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई, जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन -60,000 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष एवं मुरुम- 3648 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 19.88 लाख एवं रिकरिंग 04.73 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 1.60 लाख :-

आगामी 03 वर्ष तक	सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
गांव में मास्क (2000 दवे) व सेनेटाइजर (200 दवे) का ग्राम पंचायत के माध्यम से वितरण। साथ ही बच्चों के लिए खेल सामग्री तथा बैठने के लिए दरी उपलब्ध करवाई		10,000/-

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 16 अप्रैल 2022**

जाएगी ।	
ग्राम कम्पेल में शासकीय स्कूल में सोलर पैनल लगवाया जावेगा ।	20,000/-
ग्राम कम्पेल में ओरल हाइजीन, डायबिटीज और ब्लड प्रेशर के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन व टीकाकरण एवं मवेशियों के स्वास्थ्य जांच आदि से संबंधित कार्य कराए जाएंगे (वर्ष में 1 बार) ।	40,000/-
उज्ज्वला योजना के तहत ग्राम कम्पेल में सोलर कुकर एलपीजी गैस सिलेंडर ग्राम पंचायत के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे ।	50,000/-
ग्राम कम्पेल के आंगनवाड़ी केंद्र की पुताई एवं 5 दरियों का वितरण किया जावेगा	10,000/-
सड़क पर गड्डो की मरम्मत एवं देखरेख की जावेगी साथ ही सड़क पर सुरक्षा की दृष्टि से चिन्ह लगवाए जावेंगे जिसका उल्लेख बजट शीट में किया गया है।	
2 स्ट्रेचर एवं 2 व्हील चेयर्स कम्पेल ग्राम के प्राथमिक उपचार केंद्र में उपलब्ध कराई जाएंगी।	30,000/-
<b>योग</b>	<b>1,60,000/-</b>

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2580 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	जंगल जलेबी , नीम, बबूल , सिस्सू, पीपल, चिरोल, सफेद कैस्टर, करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1650
2	परिवहन मार्ग में	चिरोल, पीपल, पुत्रंजीवा, करंज, सप्तपर्णी, जंगल जलेबी, नीम, सिस्सू , कदम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री-गार्ड के साथ	520
3	प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में	चिरोल, पीपल, पुत्रंजीवा, करंज, सप्तपर्णी, जंगल जलेबी, नीम, सिस्सू , कदम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	50
4	हत्यारी खो झरने के पास के क्षेत्र में वन विभाग के माध्यम से	चिरोल, पीपल, पुत्रंजीवा, करंज, सप्तपर्णी, जंगल जलेबी, नीम, सिस्सू , कदम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	2580
<b>कुल वृक्षारोपण</b>			<b>4800</b>

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक  
दिनांक 16 अप्रैल 2022**

**6. Case No 8657/2021 Shri Jagdish S/o Shri Madanlal Kundiwala, 185, Khati Mohalla, Musakhedi, Dist. Indore, MP Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.978 ha. (35000 cum per annum) (Khasra No. 2528/1, 2528/2, 2528/3, 2528/4, 2528/5, 2529/1, 2529/2), Village - Kampel, Tehsil - Khudel, Dist. Indore (M.P.). Env. Conslt.- M/s. Green Circle Inc., Vadodara, Guj.**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 2528/1, 2528/2, 2528/3, 2528/4, 2528/5, 2529/1, 2529/2), Village - Kampel, Tehsil - Khudel, Dist. Indore (M.P.) 1.978 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 518वीं दिनांक 08/10/2021 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी ।

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है ।

इस बैठक में ई.आई.ए. रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण परियोजना प्रस्तावक (ऑनलाईन) तथा उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री शिषुपाल वर्मा द्वारा किया गया । प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि खदान क्षेत्र के पूर्वी भाग में 125 मीटर की दूरी पर एक कच्चा रोड़ है तथा पूर्वी भाग में ही 340 मीटर की दूरी पर नदी है । परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि खदान क्षेत्र के चारों ओर गारलेन ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक का प्रस्ताव दिया गया है । इस खदान की जनसुनवाई के दौरान सड़क की मरम्मत, धूल नियंत्रण हेतु स्प्रिंकलर तथा पानी का छिड़काव किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा ई.एम.पी. एवं सी.ई.आर. में शामिल किया गया है । समिति ने परियोजना प्रस्तावक को यह सलाह दी कि प्रस्तावित ई.एम.पी. में परिवहन मार्ग पर जल छिड़काव के फेरो की संख्या बढ़ा दी जाये ताकि इस खदान से धूल की समस्या न हो । समिति ने प्रस्तुतीकरण के दौरान यह सुझाव दिया कि 04 खदान इस क्षेत्र में क्लस्टर में है अतः इनके लीज एरिया व परिवहन मार्ग के अलावा वाटरफाल एरिया में वृक्षारोपण वन विभाग के माध्यम से वन समिति द्वारा कराया जाये तथा खदान के पूर्वी भाग जहाँ पर नदी व झरनाप है वहा से परिवहन न किया जाये । प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण, ई.एम.पी. एवं सी.ई.आर. योजना ।
- ✓ परियोजना प्रस्तावक का शपथ पत्र कि खदान के पूर्वी भाग जहाँ पर नदी व झरना है वहा से परिवहन न किया जाये ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 16/04/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई, जो संतोषजनक पाई गई । परियोजना प्रस्तावक द्वारा

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन –35,000 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 11.92 लाख एवं रिकरिंग 02.99 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 1.0 लाख :-

आगामी 03 वर्ष तक	सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
	गांव में तेल्याखेड़ी मास्क ,500 व सेनेटाइजर ,150 का वितरण ।	5,000
	ग्राम तेल्याखेड़ी में शासकीय स्कूल में सोलर पैनल लगवाया जावेगा ।	15,000/-
	ग्राम तेल्याखेड़ी में ओरल हाइजीन, डायबिटीज और ब्लड प्रेशर के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन व टीकाकरण एवं मवेशियों के स्वास्थ्य जांच आदि से संबंधित कार्य कराए जाएंगे (वर्ष में 1 बार) ।	30,000/-
	उज्ज्वला योजना के तहत ग्राम तेल्याखेड़ में सोलर कुकरधएलपीजी गैस सिलेंडर ग्राम पंचायत के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे ।	30,000/-
	1 स्ट्रेचर एवं 2 व्हील चेयर्स तेल्याखेड़ी ग्राम के प्राथमिक उपचार केंद्र में उपलब्ध कराई जाएंगी।	20,000/-
	योग	1,00,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्रं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	जंगल जलेबी , नीम, बबूल , सिस्सू, पीपल, चिरोल, सफेद कैस्टर, करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	900
2	परिवहन मार्ग में	चिरोल, पीपल, पुत्रंजीवा, करंज, सप्तपर्णी, जंगल जलेबी, नीम, सिस्सू , कदम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री-गार्ड के साथ	300
3	गांव कम्पैल की ओर जाने वाली परिवहन	चिरोल, पीपल, पुत्रंजीवा, करंज, सप्तपर्णी, जंगल जलेबी, नीम, सिस्सू , कदम एवं अन्य स्थानीय	700

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक  
दिनांक 16 अप्रैल 2022**

	मार्ग के दोनों तरफ	प्रजातियां ट्री-गार्ड के साथ	
4	हत्थारी खो झरने के पास के क्षेत्र में पौधारोपण वन विभाग के माध्यम से	चिरोल, पीपल, पुत्रंजीवा, करंज, सप्तपर्णी, जंगल जलेबी, नीम, सिस्सू, कदम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	200
<b>कुल</b>			<b>2400</b>

**7. Case No 8656/2021 M/s Shree Krishna Enterprises, Shri Mangal State ShubhLaabh Valley, Bangali Square, Dist. Indore, MP - 452016 Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.30 ha. (Stone - 28821 cum per annum, Murrum - 15169 cum per annum) (Khasra No. 2470), Village - Kampel, Tehsil - Khudel, Dist. Indore, Env. Conslt.: M/s. Green Circle Inc., Vadodara, Guj.**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 2470), Village - Kampel, Tehsil - Khudel, Dist. Indore (M.P.) 1.30 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 518वीं दिनांक 08/10/2021 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी ।

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है ।

इस बैठक में ई.आई.ए. रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण परियोजना प्रस्तावक (ऑनलाईन) तथा उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री शिशुपाल वर्मा द्वारा किया गया । प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि खदान क्षेत्र के दक्षिण-पश्चिम भाग में 25 मीटर की दूरी पर एक कच्चा रोड़ है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि खदान क्षेत्र के चारों ओर गारलेन ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक का प्रस्ताव दिया गया है । इस खदान की जनसुनवाई के दौरान सड़क की मरम्मत, धूल नियंत्रण हेतु स्प्रिंकलर, पानी का छिड़काव तथा स्कूल में पीने के पानी की व्यवस्था किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा ई.एम.पी. एवं सी.ई.आर. में शामिल किया गया है। समिति ने परियोजना प्रस्तावक को यह सलाह दी कि प्रस्तावित ई.एम.पी. में परिवहन मार्ग पर जल छिड़काव के फेरो की संख्या बढ़ा दी जाये ताकि इस खदान से धूल की समस्या न हो । समिति ने प्रस्तुतीकरण के दौरान यह सुझाव दिया कि 04 खदान इस क्षेत्र में क्लस्टर में है अतः इनके लीज एरिया व परिवहन मार्ग

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

के अलावा वाटरफाल एरिया में वृक्षारोपण वन विभाग के माध्यम से वन समिति द्वारा कराया जाये तथा खदान के पूर्वी भाग जहाँ पर नदी व झरना है वहा से परिवहन न किया जाये । प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण, ई.एम.पी. एवं सी.ई.आर. योजना ।
- ✓ परियोजना प्रस्तावक का शपथ पत्र कि खदान के पूर्वी भाग जहाँ पर नदी व झरना है वहा से परिवहन न किया जाये ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 16/04/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई, जो संतोषजनक पाई गई । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक—ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता स्टोन –28,821 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष एवं मुरुम – 15,169 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 08.82 लाख एवं रिकरिंग 03.86 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 1.50 लाख :-

आगामी 03 वर्ष तक	सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
	ग्राम तेल्याखेड़ी के शासकीय विद्यालय में पानी की टंकी लगवाई जावेगी एवं टैंकर के समय समय पर विद्यालय में पानी उपलब्ध करवाया जावेगा ।	30,000/-
	ग्राम कम्पेल के आंगवाड़ी केंद्र की मरम्मत करवाई जावेगी 2 पंखे एवं स्टेशनरी के सामान के साथ 1 वर्ष तक पोषण आहार उपलब्ध कराया जावेगा ।	70,000/-
	ग्राम कम्पेल के प्राथमिक उपचार केंद्र की मरम्मत एवं पुताई करवाई जाएगी साथ में प्राथमिक उपचार केंद्र में १ बेड उपलब्ध करवाया जावेगा	40,000/-
	उज्ज्वला योजना के तहत ग्राम पेड़मी में सोलर कुकर एलपीजी गैस सिलेंडर ग्राम पंचायत के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे ।	10,000/-
	<b>योग</b>	<b>1,50,000/-</b>

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 16 अप्रैल 2022**

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1560 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्रं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	नीम, पीपल, जंगल जलेबी, बबूल, सिस्सू, चिरोल, सफेद कैस्टर, करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	750
2	परिवहन मार्ग में	नीम, चिरोल, पीपल, पुत्रंजीवा, करंज, सप्तपर्णी, जंगल जलेबी, सिस्सू, कदम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री-गार्ड के साथ	200
3	हत्यारी खो झरने के पास के क्षेत्र में वन विभाग के माध्यम से	चिरोल, पीपल, पुत्रंजीवा, करंज, सप्तपर्णी, जंगल जलेबी, नीम, सिस्सू, कदम	610
<b>कुल</b>			<b>1560</b>

**8. Case No 9102/2022 DEVENDRA CHAUBEY Type- 3, H. S-2 H.S.C.L, Village-Anpara, Post-Anpara, Auri, Sonbhadra UP-231225,,Sonbhadra,Uttar Pradesh-231225 Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.210 ha. (Stone - 16150 cum per annum) (Khasra No. 646,654), Village - Bharsedi, Tehsil - Sarai, Dist. Singrouli (M.P.)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site at (Khasra No. 646,654), Village - Bharsedi, Tehsil - Sarai, Dist. Singrouli (M.P.) 1.210 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 16/04/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर.। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) एकल प्रमाण पत्र क्रमांक 955 दिनांक 16/03/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान स्वीकृत/संचालित नहीं है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।



## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान स्थल के उत्तर दिशा में 145 मीटर एवं दक्षिण-पश्चिम दिशा में 290 मीटर पर कच्चा रोड़ है । इसी प्रकार खदान क्षेत्र के दक्षिण-पश्चिम दिशा में 300 मीटर की दूरी पर मानव बसाहट है । प्रस्तुतीकरण के दौरान यह पाया गया कि आवेदित क्षेत्र वन सीमा से 190 मीटर की दूरी पर है जिसके संदर्भ में संभागीय आयुक्त की बैठक दिनांक 29/12/21 के माध्यम से खनन हेतु सशर्त अनुमति (वन सीमा से 190 मीटर दूरी छोड़कर एवं स्थल पर वन सीमा की ओर वृक्षारोपण करने, चैनलिंग फेंसिंग एवं ट्रेचिंग कार्य कराये जाने उपरांत की गई कार्यवाही की छायाचित्र एवं मौका पंचनामा संबंधित कार्यालय कलेक्टर अनिवार्यतः प्रस्तुत की जाने की शर्त पर) प्रदान की गई है । प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान आवंटित क्षेत्र के पूर्वी एवं पश्चिमी भाग में एक-एक खदान दिख रही है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इनमें से पूर्वी भाग में स्थित खदान निरस्त कर दी गई है तथा पश्चिम भाग वाली खदान अस्थाई अनुज्ञा थी जो 05 वर्ष हेतु आदेश क्रमांक 36 दिनांक 10/01/11 के माध्यम से स्वीकृत हुई थी जिसकी अवधि दिनांक 2016 में समाप्त हो गई है तथा सुलभ संदर्भ हेतु आदेश क्रमांक 36 दिनांक 10/01/11 की फोटोप्रति संलग्न कर रहा हूँ । प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ खदान अस्थाई अनुज्ञा आदेश क्रमांक 36 दिनांक 10/01/11 की फोटोप्रति ।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना ।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित ई.एम.पी. एवं सी.ई.आर. ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 16/04/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन— 16,150 टन प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 08.08 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 03.50 प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.50 लाख :-

आगामी 05 वर्ष तक	सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम भरसेड़ी के शासकीय विद्यालय में एक अलमारी व 10 कुर्सियों की व्यवस्था । ग्राम भरसेड़ी के उपचार केन्द्र में 02 स्ट्रेचर एवं 02 व्हील चेयर		50,000/-
योग		50,000/-

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 16 अप्रैल 2022**

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1500 वृक्षों का वृक्षारोपण :

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	महुआ, चिरोल, नीम, सीताफल, जंगल जलेबी, सिस्सू, पीपल, सफेद कैस्टर, करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	730
2	परिवहन मार्ग में	पीपल, करंज, सप्तपर्णी, चिरोल, जंगल जलेबी, पुत्रंजीवा, नीम, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री-गार्ड के साथ	200
3	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	आम, जामुन, अमरुद, आमला, अनार, इमली, निम्बू, कटहल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	200
4.	ग्राम भरसेड़ी के नजदीक स्थित प्राथमिक उपचार केन्द्र में	पुत्रंजीवा, मोलश्री, संतरा, पपीता, आम, इमली, मुनगा, कटहल करंज, आवला एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	50
5.	ग्राम पंचायत के भवन परिसर में	पुत्रंजीवा, मोलश्री, करंज, सप्तपड़ी, चिरोल आदि ।	170
6	शासकीय विद्यालय ग्राम भरसेड़ी	पुत्रंजीवा, मोलश्री, करंज, सप्तपड़ी, चिरोल, करंज आदि ।	170
		<b>कुल वृक्षारोपण</b>	<b>1500</b>

**9. Case No 9103/2022 AKHALESH SHARMA Village - Pipalkheda, Tehsil & District-Ashoknagar M.P., Ashoknagar, Madhya Pradesh-473331 Prior Environment Clearance for Murrum Quarry in an area of 2.0 ha. (9750 cum per annum) (Khasra No. 296), Village - Shadhora, Tehsil - Shadora, Dist. Ashoknagar (M.P.)**

This is case of Murrum Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site at (Khasra No. 296), Village - Shadhora, Tehsil - Shadora, Dist. Ashoknagar (M.P.) 2.0 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

आज दिनांक 16/04/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर.। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) एकल प्रमाण पत्र क्रमांक 552 दिनांक 24/03/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान स्वीकृत/संचालित नहीं है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान स्थल के उत्तर-पश्चिम दिशा में 370 मीटर पर एक जल रोकने की संरचना, उत्तर-पूर्व दिशा में 360 मीटर पर मानव बसाहट तथा पूर्व दिशा में 05 मीटर पर कच्चा रोड़ है। समिति ने परियोजना प्रस्तावक से पूर्व दिशा में स्थित कच्चे रोड़ के कारण 05 मीटर का सेट-बैक छोड़े जाने के निर्देश दिए। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि उनके द्वारा 10 मीटर का सेट-बैक प्रस्तुतीकरण में प्रस्तावित किया गया है तथा 7.50 मीटर का बैरियर जोन छोड़ा जा रहा है इस प्रकार बैरियर जोन को मिलाकर कच्चे रोड़ से कुल दूरी 22.50 मीटर हो जायेगी। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्रकरण मुरुम माइनिंग का है जिसमें ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित सी.ई.आर. योजना।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 16/04/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन- 9750 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 06.83 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 02.79 प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.20 लाख :-

आगमी 05 वर्ष तक	सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
	ग्राम शाढ़ोरा स्थित प्राथमिक शाला में शौचालय की मरम्मत, पुताई एवं पीने योग्य जल बावत् पानी की टंकी एवं मोटर।	50,000
	योग	50,000

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 16 अप्रैल 2022**

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	नीम, जंगलजलेबी, रीठा, सीताफल, चिरोल, खमेर एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	600
2.	परिवहन मार्ग में (पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	जंगलजलेबी, करंज, कदम, पुत्रंजीवन, चिरोल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	1500
3	शाहोरा ग्रामीणों में पौधों का वितरण	इमली, आँवला, सीताफल, अमरुद, मुनगा, पपीता, नींबू, आम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	300
<b>कुल</b>			<b>2400</b>

**10. Case No 9104/2022 Shri Virendra Pratap Singh, Lease, R/o Pareecha, Dist. Jhansi, UP Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 4.0 ha. (104934 cum per annum) (Khasra No. 941/3/1), Village - Bhitri, Tehsil - Niwari, Dist. Niwari (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site at (Khasra No. 941/3/1), Village - Bhitri, Tehsil - Niwari, Dist. Niwari (MP) 4.0 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 16/04/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार (ऑनलाईन) उपस्थित हुए । परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर. प्रस्तुत की गई । प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 441 दिनांक 04/08/2021 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 04 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिसका कुल रकबा 18.500 हेक्टेयर होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है। प्रस्तुतीकरण के दौरान अनुमोदित माइन प्लॉन में उल्लेखित अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान के पश्चिम दिशा में नहर है, अतः नहर से 100 मीटर का सेट-बैक नॉन माईनिंग जोन के रूप में छोड़ा जाना होगा तथा उसकी संरक्षण योजना

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 16 अप्रैल 2022**

प्रस्तुत की जानी होगी । इसी प्रकार दक्षिण दिशा में 24 मीटर पर रोड़ है, अतः 26 मीटर का सेट-बैक नॉन माईनिंग जोन के रूप में छोड़ा जाना होगा तथा उसकी संरक्षण योजना प्रस्तुत की जानी होगी । प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान यह पाया गया कि लीज क्षेत्र में कुछ लगे हैं अतः ट्री इन्वेट्री मय प्रजाति का नाम उनकी संख्या, ऊंचाई एवं गर्थ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाय । परियोजना प्रस्तावक यह सुनिश्चित कर ले कि उपरोक्तानुसार नॉन माईनिंग जोन छोड़ने के बाद खनन हेतु आवश्यक क्षेत्र उपलब्ध है । उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. प्रश्नाधीन खदान के पश्चिम दिशा में नहर है, अतः नहर से 100 मीटर का सेट-बैक नॉन माईनिंग जोन के रूप में छोड़ा जाना होगा तथा उसकी संरक्षण योजना प्रस्तुत की जानी होगी ।
2. इसी प्रकार दक्षिण दिशा में 24 मीटर पर रोड़ है, अतः 26 मीटर का सेट-बैक नॉन माईनिंग जोन के रूप में छोड़ा जाना होगा तथा उसकी संरक्षण योजना प्रस्तुत की जानी होगी ।
3. टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
4. प्रस्तावित खदान के 2.5 किलोमीटर की परिधि में कार्यरत सभी खदानों का क्यूमिलेटिव इंपैक्ट असेसमेंट किया जाये तथा ई.आई.ए. रिपोर्ट में इसका उल्लेख किया जाये ।
5. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजीकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करे ।
6. लीज क्षेत्र में कुछ लगे हैं, अतः ट्री इन्वेट्री मय प्रजाति का नाम उनकी संख्या, ऊंचाई एवं गर्थ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
7. परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत एकल प्रमाण पत्र में वन क्षेत्र से दूरी का उल्लेख नहीं है अतः इसे प्राप्त किया जाये तथा यदि दूरी 250 मीटर से कम है तो संभागायुक्त समिति की अनुशंसा ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत की जाये ।

**11. Case No 9105/2022 M/s A. S. Construction Company, Shri Sunil Kumar Jain, Owner, Firozpur Jairka, Dist. Mewat, Haryana - 122104, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 3.470 ha. (220590 cum per annum) (Khasra No. 417, 418, 422, 423, 427, 428), Village - Badkagaon, Tehsil - Ghatigaon, Dist. Gwalior (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site at (Khasra No. 417, 418, 422, 423, 427, 428), Village - Badkagaon, Tehsil - Ghatigaon, Dist. Gwalior (MP) 3.470 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

आज दिनांक 16/04/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर.। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 10406 दिनांक 16/03/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान स्वीकृत/संचालित नहीं है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान स्थल के उत्तर दिशा में 40 मीटर पर कच्चा रोड़, उत्तर दिशा में ही 440 मीटर पर आबादी, पश्चिम दिशा में 500 मीटर से अधिक दूरी पर रोड़ है। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि प्रस्तावित खनन क्षेत्र के लगभग 04 पेड़ लगे हैं। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन के दौरान 04 पेड़ सक्षम प्राधिकारी की अनुमति उपरांत काटे जाने का प्रस्ताव है तथा उसके एवज में 40 अतिरिक्त पेड़ लगाये जाना प्रावधानित किए गए हैं। प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति को अवगत कराया गया कि उनको खसरा क्रमांक 417, 418, 422, 423, 427, 428 पर 03.470 हे. की शासकीय भूमि पर उत्खनन एव गिट्टी निर्माण (रोड़ निर्माण) हेतु 02 वर्ष की अस्थाई अनुज्ञा प्रदान की गई है जिसमें ग्राम पंचायत बड़का गोंव के सरपंच के द्वारा आपत्ति जताई गई थी। इस आपत्ति का निराकरण मध्यप्रदेश शासन राजपत्र दिनांक 22/1/21 (खनिज साधन विभाग) में निहित प्रावधानों के अनुरूप अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (घाटीगोंव) जिला ग्वालियर के द्वारा पुनः स्थल निरीक्षण कराकर पत्र क्रमांक क्यू दिनांक 28/2/22 के माध्यम से सरपंच की आपत्ति को निराधार बताते हुए मौके पर स्थल का खाली होना, क्षेत्र में पूर्व से उत्खनन के गढ़ा पाया जाना तथा शासकीय कार्य हेतु उत्खनन किये जाने में कोई समस्या नहीं है। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा अनुशंसा की गई है कि मौके स्थल खाली है तथा शासकीय कार्य हेतु उत्खनन किये जाने हेतु उपयुक्त है।

- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित सी.ई.आर. योजना।
- ✓ मध्यप्रदेश शासन राजपत्र दिनांक 22/1/21 (खनिज साधन विभाग) में निहित प्रावधानों के अनुरूप अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (घाटीगोंव) जिला ग्वालियर के द्वारा जारी पत्र क्रमांक क्यू दिनांक 28/2/22 की फोटोप्रति।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 16/04/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन- 2,20,590 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष।

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक  
दिनांक 16 अप्रैल 2022**

2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 06.83 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 02.79 प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 02.00 लाख :-

आगामी 05 वर्ष तक	सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
	➤ ग्राम बड़का ऑगनवाड़ी केन्द्र में 01 वर्ष तक पोषण आहार का वितरण ।	1,00,000
	➤ माध्यमिक स्कूल में 02 कम्प्यूटर सिस्टम तथा 02 प्रिंटर का वितरण ।	50,000
	➤ अस्पताल के लिए व्हील चेयर व स्ट्रेचर का वितरण	50,000
	<b>योग</b>	<b>2,00,000</b>

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4200 वृक्षों का वृक्षारोपण :

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	नीम, जंगलजलेबी, रीठा, सीताफल, चिरोल, खमेर एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	1200
2.	परिवहन मार्ग में (पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	जंगलजलेबी, करंज, कदम, पुत्रंजीवन, चिरोल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	600
3	बड़का ग्रामीणों में पौधों का वितरण	इमली, आँवला, सीताफल, अमरुद, मुनगा, पपीता, नीबू, आम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	2400
		<b>कुल</b>	<b>4200</b>

**Discussion on query replies submitted by PP or file received from SEIAA**

**12. Case No 8730/2021 M/s Sunny Paint & Tar Products, 12-A, Sector-C, Industrial Area, Sanwer Road, Dist. Indore, MP Prior Environment Clearance for "Expansion of Paint & Varnishes Manufacturing Plant" at A/72, Sector-C, Industrial Area, Sanwer Road, Indore (MP). Env. Consl:- M/s. Gurung Environment Solutions Pvt. Ltd Jaipur, Raj.**

This is a case of Prior Environment Clearance for "Expansion of Paint & Varnishes Manufacturing Plant" at A/72, Sector-C, Industrial Area, Sanwer Road, Indore (MP) Cat.

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

5(f) Synthetic organic chemicals industry. The proposed project falls under item no 5(f) i.e. Synthetic organic chemicals hence requires prior EC from SEIAA before initiation of activity at site.

The case was presented by the PP Shri Sunny Dhamija and their Env. Consultant M/s. Mr. Kapil Singh M/s. Gurung Environment Solutions Pvt. Ltd. Jaipur in the SEAC 489<sup>th</sup> meeting dated 12.03.2021, wherein PP stated following salient features and other details of the project .

M/s. Sunny Paint & Tar Products (An ISO Certified Company) was established in the year of 1989. Company is leading Manufacturer of an extensive array of, Oil Alkyds Resins, Thermosetting Acrylic Resins, Amino Resins, Rosin Derivatives, Polyamide Resin, Amino Resins, etc. Sunny Paint have a sound infrastructure, which helps in the smooth and systematic execution of all production related tasks. It is equipped with advanced machinery and cutting-edge technology that ensures swift rate of production. Plant has a state-of-the-art infrastructure that is fully equipped with the world class amenities providing with a resourceful environment. One of the units of Sunny Paint is in Indore, MP. Indore unit is located at A/72, Sector-C, Industrial Area, Sanwer Road, Indore, Madhya Pradesh-452001 in an area of 1394 sqm. It is an operational unit engaged in Manufacturing of different kind of Paint, Tar and Varnishes. The unit is only for formulation. Unit has valid consent to operate issued by MPPCB vide Consent no. AWH86616 valid upto 31.12.2021. Being a formulation unit, environmental clearance is not applicable to the existing unit.

The project of M/s Sunny Paint & Tar Products located in Plot No. A/72, Sector-C, Industrial Area, Sanwer Road, Indore, Madhya Pradesh- 452001 for manufacturing of 10,000 MT of synthetic resin (Alkyd Resin & Maleic/Phenolic Resin) with existing formulation unit. The unit configuration and capacity of existing project is given as below

Sl.No.	Name	Existing Units		Proposed Units		Total (Existing +Proposed)	
		Configuration	Production (TPA)_	Configuration	Production (TPA)	Configuration	Production (TPA)
1	Bitumen Primer	-	105	-	0	-	105
2	Ceiling Compound	-	105	-	0	-	105
3	Distemper Dry and Oil Bound	-	60	-	0	-	60



**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 16 अप्रैल 2022**

4	Enamel Road Marking, Black Japan, Red Oxide	-	30	-	2970	-	3000
5	Expansion Joint Filler Board	-	3000	-	0	-	3000
6	French Polish	-	6	-	0	-	6
7	Tarfelt	-	24000 nos.	-	0	-	24000
8	Varnish Terfaintine	-	12	-	0	-	12
9	Resin	-	0	-	10000	-	10000

The details of the raw material requirement for the proposed project/ expansion cum proposed project along with its source and mode of transportation is given as below:

Sr. No.	Name of Raw Materials	Quantity (MT/MT)
1	<i>Alkyd Resin</i>	
1	Rosin Oil	0.4
2	Pentaerythritol	0.084
3	Glycerine	0.079
4	Phthalic Anhydride	0.205
5	Maleic Anhydride	0.018
6	Benzoic acid	0.011
7	Caustic Soda	0.001
8	Triphenyl Phosphate	0.001
9	Hypo Phosphorous Acid	0.001
10	Xylene	0.02
11	MTO	0.22
2	<i>Maleic/Phenolic Resin</i>	
1	Rosin	0.833
2	Pentaerythritol	0.05
3	Glycerine	0.056
4	Bisphenol	0.056
5	Paraformaldehyde	0.039
6	Triphenyl Phosphate	0.001
7	Maleic Anhydride/Phenol	0.077

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 16 अप्रैल 2022**

The water requirement for the project after expansion is estimated as 12 KLD, out of which 12 KLD of freshwater requirement will be obtained from the private tankers.

- The power requirement for the project is estimated as 125 HP MW which will be obtained from Madhya Pradesh Paschim Kshetra Vidyut Vitaran Company Limited (MPPKVVCL).
- The cost of the project is Rs 1.54 Crores. The employment generation from the project is 60 no.
- Summary of violation under EIA, 2006/court case/show cause/direction if any, related to the project under consideration shall be furnished - Not Applicable
- Name of the EIA consultant: M/s Gaurang Environmental Solutions Pvt. Ltd. [S.No. 111; List of ACOs with their Certificate No. NABET/EIA/2023/RA0192 (Valid till 19.01.2023).

During presentation PP submitted that they are seeking EC for Resin and their other products are non EC products. After presentation, committee decided to recommend standard TOR prescribed by MoEF&CC with along with following additional TORs as annexed in annexure-D:

1. Justify the expansion wrt to plant area of 1394 SQM and existing and proposed facility to be depicted on layout map on suitable scale.
2. Plant layout with legible labeling of each facility and area should be provided on A3 size paper.
3. Explore the possibility of getting water supply through IMC in place of water tankers.
4. Compliance of CTO duly authenticated by Regional Officer, MP Pollution Control Board.
5. Explore the possibility of clean fuel for boiler, discuss if any additional boiler is required.
6. Current status of HW and Fly ash management & disposal plan is to be submitted in the EIA report
7. MSDS of all chemicals (reactants, products and intermediates) should be provided with the EIA report.
8. Current status and disposal of HW & fly ash management plan is to be submitted in the EIA report.
9. Submit mass balance with chemical commercial and common names.
10. Percentage of Solvent recovery if any.
11. PP should explore possibility of using Bio-fuel based technology in boilers.

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 16 अप्रैल 2022**

12. Chemical storage plan as per their compatibility and storage area containment plan shall be discussed in the EIA report.

Earlier this case was scheduled for presentation and discussion in in the SEAC 489<sup>th</sup> meeting dated 12.03.2021, wherein ToR was recommended. PP has submitted the EIA report forwarded through SEIAA on-line and the same was scheduled in the agenda.

The EIA was presented by the PP Shri Sunny Dhamija and their Env. Consultant M/s. Mr. Kapil Singh M/s. Gurung Environment Solutions Pvt. Ltd. Jaipur before the committee; during discussion following details of this project was submitted by the PP:

- The proposal is for Environmental Clearance for “Expansion of Paint & Varnishes Manufacturing Plant” located at A/72, Sector-C, Industrial Area, Sanwer Road, Indore, Madhya Pradesh-452001 by M/s M/s Sunny Paint & Tar Products.
- The industry is involved in manufacturing of the several products like Bitumen Primer, Ceiling Compound, Distemper Dry and Oil Bound, Enamel Road Marking, Black Japan, Red Oxide, Expansion Joint Filler Board, French Polish, Tareelt, Varnish Turpentine. The unit is operational in accordance with Consent to Operate granted by Madhya Pradesh Pollution Control Board vide Consent No. AWH-86616 dated 28.03.2021 (valid upto 31.12.2024).
- Now, company has proposed to manufacture 10,000 MT of Synthetic Resin (Alkyd Resin & Maleic/Phenolic Resin) along with the enhancement of few of the existing products in the existing plant.
- Unit is spread over an area of 1394 Sqm. The proposed expansion shall be done within the existing premises.
- Project being a Small scale Industry located in industrial area, it is exempted from Public Hearing.
- Project at Glance is mentioned below:

S. No.	Particular	Unit	Existing	Proposed	After Expansion
1.	Total Plot Area	Sqm	1394	0	1394
2.	Green belt area	Sqm	-	512	512
3.	Fresh Water Requirement	KLD	1	11	12
4.	Wastewater Generation - Effluent	KLD	0.8	2.0	2.8
5.	Wastewater generation- Domestic	KLD	0.8	1.7	2.5
6.	Power Requirement	HP	75	50	125
7.	Power Backup	KVA	125	0	125
8.	Manpower Requirement	No.	15	45	60

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 16 अप्रैल 2022**

S. No.	Particular	Unit	Existing	Proposed	After Expansion
	Permanent		15	45	50
	Contractual		0	10	10
9.	Project cost	Rs. Cr	0.79	0.75	1.54
10.	Capacity of Boiler	Lac KCal	6	-	6
11.	Fuel (for Boiler) (Coal)	TPD	0.5	0.5	1

- Freshwater requirement of the project after expansion will be 12 KLD sourced from private tankers. The wastewater generation from the industrial process will be 2 KLD which will be sent to the CETP for treatment and final disposal. The domestic wastewater generation will be 2.5 KLD which will be disposed into septic tanks via soak pit.
- The power requirement for the proposed expansion will be 125 HP will be supplied through M.P. Paschim Kshetra Vidhyut Vitaran Company Limited, Indore. Existing DG Set of 125 kVA will be used in the plant during emergency failure.
- The source of air pollution from existing and proposed expansion is mentioned below:

S. No.	Stack Attached	Capacity	Fuel Used	Stack Height	APCM	Expected Pollutants
<b>Existing</b>						
1	Boiler	6 Lac K Calories/hr	Bio Briquette	30	Bag Filter, Dust Collector and Natural Draft	PM, Sox, NOx
2	DG Set	125 KVA	HSD	11	Stack & Natural Draft	PM, Sox, NOx

During presentation, PP submitted that they are seeking EC for Resin and Enamel Road Marking, Black Japan, Red Oxide being these are EC products and rest are non EC products. After detail discussion committee has asked the PP to submit the following information:

1. Commitment from the PP that 96% solvent recovery will be achieved.
2. Revised EMP and CSR as suggested by the committee during presentation.
3. Revised Plantation Scheme along with its species and total area coverage for plantation should be atleast 33% around and along the periphery of plot.
4. Justification for Tarfelt quantity with size.
5. Details of plantation done till date & what was planted as condition of plantation is not compiled as per consent condition.
6. Revised Mass balance as suggested by the committee.

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 16 अप्रैल 2022**

7. Mass balance & chemical reaction for Enamel Road Marking, Black Japan, Red Oxide.
8. Correct chemical reaction w.r.t. alkayd resin.
9. Legible Lay pout plan.
10. Quantify carbon foot print after the expansion of products.

The case was presented by the PP and their applicant wherein it was observed by the committee that the submitted mass balance still needs correction. Thus after presentation, PP was asked to submit revised mass balance with chemical reactions of all EC products as suggested by committee for further consideration.

**11. Case No 8694/2021 Smt. Paras Daga W/o SHri Vijay Daga, H.No. 26, Marwadi Road, Infront of Bank of India, Dist. Bhopal, MP Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 4.0 ha. (15000 cum per annum) (Khasra No. 239 Part), Village - Malikhedi, Tehsil - Huzur , Dist. Bhopal (MP) . Env. Consultant M/s. Aseries Envirotech India Pvt. Ltd. Noida, U.P.**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 239 Part), Village - Malikhedi, Tehsil - Huzur, Dist. Bhopal (MP) 4.0 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

The case was presented by Env. Consultant Shri Amar Singh Yadav from M/s. Aseries Envirotech India Pvt. Ltd. Noida, U.P. behalf of PP. During presentation, PP showed various documents such as lease sanction order, Janpad Panchyat NOC, DFO NOC, Tehsildar Certificate, MO Certificate, Approved Mine Plan, Khasra Panchshala, P-II, DSR & PFR for appraisal of project before the committee. It was observed by Committee that as per Collector Office (Ekal Praman-Patra) letter No. 2420 dated 06.08.21 has reported that there are 07 more mines operating or proposed within 500 meters around the said mine with total area of 29.80 ha., including this mine. During presentation as per Google image based on coordinates provided by PP, it was observed that old pit is existed, PP submitted that it was very old mine pit existed since year 2014, they have got the lease in such condition and pit have shown in the surface map.

It is a case of cluster of more than 5.0 ha. area therefore committee recommended to issue standard TOR prescribed by the MoEF&CC for conducting the EIA along with following additional TOR's and general conditions as per Annex. D:-

**565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 16 अप्रैल 2022**

1. A house is existed at a distance of 100 m hence, propose 100 m set back and submit revised production map with EIA report.
2. Detailed evacuation plan with transport route, required infrastructure and manpower is to be discussed in the EIA report.
3. Top soil management plan should be addressed in EIA report.
4. The project proponent shall discuss the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled “Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area”, and shall be discussed in the EIA report.

The case was discussed in 691<sup>st</sup> SEIAA meeting dtd. 23/11/2021 and it was recorded that.

The case was recommended for ToR in 518<sup>th</sup> SEAC dated 08/10/2021.

After detailed discussed, it is observed by the authority that, the proposed mining site is located in Village – Malikhedi, in view of the news published in Danik Bhaskar News Paper dated 25/11/2021 and 26/11/2021 regarding illegal mining operations in the Village – Malikhedi, Hence, Considering the sensitivity of the area, it is decided to send the case back to SEAC for re-examination to get specific recommendations pertaining to this case.

The case was discussed in SEAC 536<sup>th</sup> dated 17/12/21 meeting wherein committee after deliberation decided that cases in SEAC are appraised on the basis environmental sensitivity around the lease area and if any such sensitivity is observed additional TOR point is prescribed for discussion in EIA report. In this case the sensitivity was also considered and necessary additional TOR points was recommended by the committee and some Standard TOR points are mentioned in the Annexed “D”.

Regarding illegal mining operations in the Village – Malikhedi decision shall be taken by SEIAA in consultation with the district authority to prohibit all the mining activities in the area.

प्रकरण में सिया की 705वी बैठक दिनांक 15/2/2022 में विस्तृत चर्चा व परामर्श उपरांत सर्व सम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिया गया :-

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

उक्त प्रकरण राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (सिया) की 699वी बैठक दिनांक 29/12/2021 में निर्णय लिया गया:—

हालही में दैनिक सामाचार पत्र में दिनांक 25/11/2021 एवं 26/11/2021 को भोपाल जिले के मालीखेडी क्षेत्र में वृहद स्तर पर अवैध उत्खनन के समाचार प्रकाशित हुए थे । उक्त प्रकरण भी मालीखेडी क्षेत्र में स्वीकृत खदान की पर्यावरण स्वीकृति से संबंधित है । पर्यावरण स्वीकृति जारी किये जाने के पूर्व जिला स्तर पर एक दल गठित कर स्थल निरीक्षण करवाते हुए यह सुनिश्चित किया जाना उचित होगा कि उक्त प्रस्तावित खदान क्षेत्र में वगैर पर्यावरण स्वीकृति के अवैध उत्खनन हुआ है अथवा नहीं । जाँच दल से 15 दिवस की अवधि में प्रतिवेदन प्राप्त कर सिया को वस्तुस्थिति से अवगत कराये जाने हेतु जिला कलेक्टर भोपाल को सूचित किया जायें ।

परियोजना प्रस्तावक एवं संबंधित विभाग से चाही गई जानकारी आज दिनांक तक अप्राप्त है । अतः प्रकरण को डिलिस्ट किया जाये एवं परियोजना प्रस्तावक व संबंधितों को सूचित किया जाये ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ई-मेल दिनांक 15/3/2022 के माध्यम से नोटराइज्ड शपथ-पत्र कर कोई उत्खनन कार्य नहीं किया गया है एवं प्रकरण को Relist SEAC करने का अनुरोध किया गया है । परियोजना प्रस्तावक के अनुरोध को मान्य करते हुए सिया की 715वीं बैठक दिनांक 25/03/22 को प्रकरण को रिलिस्ट कर, सेक परीक्षण हेतु प्रेषित किया गया है ।

प्रकरण को समिति के समक्ष रखा गया । समिति ने पाया कि इस परियोजना प्रस्तावक ने शपथ पत्र प्रस्तुत किया है कि उनके द्वारा कोई उत्खनन कार्य नहीं किया गया तथा प्रकरण में कोई नई संवेदनशीलता भी दृष्टिगत नहीं होती है । अतः समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि वे अपनी पूर्व की बैठकों क्रमशः 518वीं बैठक दिनांक 08/10/21 एवं 536वीं बैठक दिनांक 17/12/21 के टॉर हेतु की गई अनुशंसा को यथावत रखते हुए प्रकरण को पुनः सिया की ओर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित किया जाये ।

(ए.ए. मिश्रा)  
सदस्य सचिव

(डॉ. पी.सी. दुबे)  
अध्यक्ष

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

**Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:**

**Annexure- 'A'**

**Standard conditions applicable to Stone/Murram and Soil quarries:**

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.



## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
  - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
  - b. Mining Lease area of the project (in ha.)
  - c. Production capacity of the project.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

36. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

37. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

**नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

**नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

**नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।

**नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई -

**नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

**नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

**नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख -**

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

### **Annexure- 'B'**

#### **Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries\***

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.

8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be 1/4<sup>th</sup> or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.
15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.
18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.
27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
  - a. Lease owner's Name, Contact details etc.

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

- b. Mining Lease area of the project (in ha.)
  - c. Production capacity of the project.
30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA's instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
- i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
  - ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
  - iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
  - iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
  - v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.
  - vi. The mining activity shall be monitored by the Taluk level Force once in a month by conducting physical verification.
  - vii. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
  - viii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.
  - ix. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.
31. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
38. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।
- नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।
- नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

**नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए ।

**नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई –

**नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए ।

**नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम्	गोलाई न्यूनतम्
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड़ साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक ।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई ।		

**नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –**

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण ।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना ।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना ।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है ।

### Annexure- 'C'

#### Standard conditions applicable for the Sand deposits on Agricultural Land/ Khodu Bharu Type Sand Mine Quarries\*

1. Mining should be done only to the extent of reclaiming the agricultural land.
2. Only deposited sand is to be removed and no mining/digging below the ground level is allowed.
3. The mining shall be carried out strictly as per the approved mining plan.
4. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
5. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
6. The mining activity shall be done as per approved mine plan and as per the land use plan submitted by PP.
7. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
8. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
9. For carrying out mining in proximity to any bridge and/or embankment, appropriate safety zone on upstream as well as on downstream from the periphery of the mining site shall be ensured taking into account the structural parameters, location aspects, flow rate, etc., and no mining shall be carried out in the safety zone.
10. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
11. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 issued by the MoEF&CC.
12. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
13. Thick plantation shall be carryout on the banks of the river adjacent to the lease, mineral evacuation road and common area in the village. PP would maintain the plants for five years including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations.

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

14. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
15. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
16. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
24. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
25. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
26. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
  - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
  - b. Mining Lease area of the project (in ha.)
  - c. Production capacity of the project.
27. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the nearby river banks for bank stabilization and to check soil erosion while dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
28. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
29. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme.
30. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.

31. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. Plantation in adjoining forest land shall be carried out through concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
32. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
33. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh “ANKUR YOJNA” by registering individual villagers on “Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
34. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
36. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

**नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

**नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

**नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।

**नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई -

**नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

**नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड़ साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

**नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख -**

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियों आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

### **Annexure- 'D'**

#### **General conditions applicable for the granting of TOR**

1. The date and duration of carrying out the baseline data collection and monitoring shall be informed to the concerned Regional Officer of the M.P Pollution Control Board.
2. During monitoring, photographs shall be taken as a proof of the activity with latitude & longitude, date, time & place and same shall be attached with the EIA report. A drone video showing various sensitivities of the lease and nearby area shall also be shown during EIA presentation.
3. An inventory of various features such as sensitive area, fragile areas, mining / industrial areas, habitation, water-bodies, major roads, etc. shall be prepared and furnished with EIA.
4. An inventory of flora & fauna based on actual ground survey shall be presented.
5. Risk factors with their management plan should be discussed in the EIA report.
6. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
7. The EIA document shall be printed on both sides, as far as possible.
8. All documents should be properly indexed, page numbered.
9. Period/date of data collection should be clearly indicated.
10. The letter /application for EC should quote the SEIAA case No./year and also attach a copy of the letter prescribing the TOR.
11. The copy of the letter received from the SEAC prescribing TOR for the project should be attached as an annexure to the final EIA/EMP report.
12. The final EIA/EMP report submitted to the SEIAA must incorporate all issues mentioned in TOR and that raised in Public Hearing with the generic structure as detailed out in the EIA report.
13. Grant of TOR does not mean grant of EC.
14. The status of accreditation of the EIA consultant with NABET/QCI shall be specifically mentioned. The consultant shall certify that his accreditation is for the sector for which this EIA is prepared. If consultant has engaged other laboratory for carrying out the task of monitoring and analysis of pollutants, a representative from laboratory shall also be present to answer the site specific queries.
15. On the front page of EIA/EMP reports, the name of the consultant/consultancy firm along with their complete details including their accreditation, if any shall be indicated. The consultant while submitting the EIA/EMP report shall give an undertaking to the effect that the prescribed TORs (TOR proposed by the project proponent and additional TOR given by the MOEF & CC) have been complied with and the data submitted is factually correct.
16. While submitting the EIA/EMP reports, the name of the experts associated with involved in the preparation of these reports and the laboratories through which the samples have been got analyzed should be stated in the report. It shall be indicated whether these laboratories are approved under the Environment (Protection) Act, 1986 and also have NABL accreditation.
17. All the necessary NOC's duly verified by the competent authority should be annexed.
18. PP has to submit the copy of earlier Consent condition /EC compliance report, whatever applicable along with EIA report.
19. The EIA report should clearly mention activity wise EMP and CER cost details and should depict clear breakup of the capital and recurring costs along with the timeline for incurring the capital cost. The basis of allocation of EMP and CER cost should be detailed in the EIA report to enable the comparison of compliance with the commitment by the monitoring agencies.
20. A time bound action plan should be provided in the EIA report for fulfillment of the EMP commitments mentioned in the EIA report.
21. The name and number of posts to be engaged by the PP for implementation and monitoring of environmental parameters should be specified in the EIA report.
22. EIA report should be strictly as per the TOR, comply with the generic structure as detailed out in the EIA notification, 2006, baseline data is accurate and concerns raised during the public hearing are adequately addressed.
23. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
24. Public Hearing has to be carried out as per the provisions of the EIA Notification, 2006. The issues raised in public hearing shall be properly addressed in the EMP and suitable budgetary allocations shall be made in the EMP and CER based on their nature.



## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

25. Actual measurement of top soil shall be carried out in the lease area at minimum 05 locations and additionally N, P, K and Heavy Metals shall be analyzed in all soil samples. Additionally in one soil sample, pesticides shall also be analyzed.
26. A separate budget in EMP & CER shall be maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
27. PP shall submit biological diversity report stating that there is no adverse impact in- situ and on surrounding area by this project on local flora and fauna's habitat, breeding ground, corridor/ route etc. This report shall be filed annually with six-monthly compliance report.
28. The project proponent shall provide the mitigation measures as per MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area" with EIA report.
29. LPG gas shall be provided for camping labour under "Ujjwala Yojna .
30. In the project where ground water is proposed as water source, the project proponent shall apply to the competent authority such as Central Ground Water Authority (CGWA) as the case may be for obtaining, No Objection Certificate (NOC).
31. Consideration of mining proposals involving violation of the EIA Notification, 2006, the project proponent shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court of India dated 02/08/2017 in WP © No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause V/s Union of India & others before grant of TOR/EC. The under taking interalia includes commitment of the PP not to repeat any such violation in future as per MoEF&CC OM No. F.NO. 3-50/2017-IA.III (Pt.) dated 30/05/2018.
32. The mining project proponents involving violations of the EIA Notification, 2006 under the provisions of S.O. 804 (E) dated 14/03/2017 and subsequent amendments for TOR/EC shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court dated the 2<sup>nd</sup> August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors. Before grant of TOR/EC the undertaking inter-alia include commitment of the PP not to repeat any such violation of future. In case of violation of above undertaking, the TOR/Environmental Clearance shall be liable to be terminated forthwith.
33. Under CER scheme commitments with physical targets shall be included in EIA report for:
  - ✓ Proposal for CER activities based upon commitment made during public hearing and COVID-19 pandemic.
  - ✓ Activities such as solar panels in school, awareness camps for Oral Hygiene, Diabetes and Blood Pressure, works related to plantation (distribution of fruit & fodder bearing trees) vaccination, cattle's health checkup etc. in concerned village shall be proposed.
  - ✓ No fuel wood shall be used as a source of energy by mine workers. Thus proposal for providing solar cookers / LPG gas cylinders under "Ujjwala Yojna" to them who are residing in the nearby villages, shall be considered.
  - ✓ PP's commitment that activities proposed in the CER scheme will be completed within initial 03 years of the project and in the remaining years shall be maintained shall be submitted with EIA report.
34. Under Plantation Scheme commitments with budgetary allocations shall be included in EIA report for :
  - ✓ Comprehensive green belt plan with commitment that entire plantation shall be carried out in the initial three years and will be maintained thereafter with causality replacement. Proposal for distribution of fruit bearing species for nearby villagers shall also be incorporated in the plantation scheme and for which a primary survey for need assessment in concerned village shall be carried out.
  - ✓ Commitment that plantation shall be carried out preferably through Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
  - ✓ Commitment that high density plantation (preferably using "Miyawaki Technique or WALMI technique) shall be developed in 7.5m barrier zone left for plantation through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency.
  - ✓ Commitment that local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land suitable for the purpose through Gram

## 565वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 16 अप्रैल 2022

Panchayat on suitable community land in the concerned village area and handed over to Gram Panchayat after lease period.

- ✓ PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
- ✓ Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, minimum 50 saplings be planted considering 80% survival.
- ✓ Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.

35. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

**नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

**नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

**नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।

**नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई -

**नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

**नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

**नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख -**

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

**FOR PROJECTS LOCATED IN SCHEDULED (V) TRIBAL AREA , following should be studied and discussed in EIA Report before Public Hearing as per the instruction of SEIAA vide letter No. 1241 dated 30/07/2018.**

36. Detailed analysis by a National Institute of repute of all aspects of the health of the residents of the Schedule Tribal block.
37. Detailed analysis of availability and quality of the drinking water resources available in the block.
38. A study by CPCB of the methodology of disposal of industrial waste from the existing industries in the block, whether it is being done in a manner that mitigate all health and environmental risks.
39. The consent of Gram Sabah of the villages in the area where project is proposed shall be obtained.